

***Raja Mansingh Tomar Music & Arts University,
Gwalior (M.P.)***

Master of Art - First Year, First Semester

***Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)
(Regular)***

2021-22

Paper S. N.	Core/Subject Section-"A"	Subject Code	Mid Term/ Attendance Marking	End Term Marking	Total Marks	Min Passing Marks
1.	Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion)					
2.	1- History & development of Indian Music	C1-MMVI-101	30	70	100	36
	II- Applied Principles of Indian Music	C1-MMVI-102	30	70	100	36
3.	Technical Terms					
4.	Core-2 Practical Vocal/Instrumental Technique					
	I- Demonstration & Viva	C2- MMVI-101	30	70	100	36
	II- Stage Performance	C2- MMVI-102	30	70	100	36
	Grand Total		120	280	400	144

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित
M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) प्रथम वर्ष— प्रथम सेमेस्टर
गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र
(संगीत का इतिहास एवं विकास/History & Development of Indian Music)

समय:— 3 घण्टे

पूर्णांक :-70

इकाई—1

1. संगीत की उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न मतों का परिचय।
2. मध्यकालीन संगीत का इतिहास एवं विकास।

इकाई—2

1. भरतकृत नाट्यशास्त्र, नारदकृत नारदीय शिक्षा एवं सगोत मकरन्द का सामान्य परिचय व संगीत से संबंधित अध्यायों की विषय सामग्री की जानकारी।
2. जाति की परिभाषा, लक्षण तथा भेद एवं ग्राम की परिभाषा एवं प्रकार।

इकाई—3

1. पुष्टि मार्गीय संगीत (हवेली संगीत), राग ध्यान एवं राग—‘रागिनी वर्गीकरण।
2. सारणा चतुष्टयी का अध्ययन तथा शोध प्रविधि की धारणा एवं महत्व।

इकाई—4

1. रविन्द्र संगीत का सामान्य अध्ययन व उसके प्रकार।
2. विष्णु नारायण भातखण्डे एवं विष्णु दिगम्बर पलुस्कर स्वर लिपि पद्धति की पाश्चात्य स्वर लिपि पद्धति से तुलना।

इकाई—5

1. रवीन्द्रनाथ ठाकुर, पं. एस. एन. रातंजनकर, पं. बलवन्त राय भट्ट “भावरंग”, संगीत शास्त्र विदुषी प्रो. प्रेमलता शर्मा का सांगीतिक योगदान।
2. संगीत संबंधी निम्नलिखित विषयों पर न्यूनतम 300 शब्दों में निबन्ध।
 1. गुरु शिष्य परंपरा एवं संस्थागत शिक्षण
 2. वैज्ञानिक उपकरणों की उपयोगिता।
 3. संगीत का पुनरुत्थान।
 4. संगीत समसामयिक प्रवृत्तियां।
 5. उच्च शिक्षा की अवधारणा एवं उद्देश्य।
 6. अन्य विषय।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) प्रथम वर्ष- प्रथम सेमेस्टर

गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र

(संगीत का क्रियात्मक सिद्धांत/ Applied Principle of Indian Music)

समय:- 3 घण्टे

पूर्णांक :-70

इकाई-1

1. पाठ्यक्रम के रागों का शास्त्रीय परिचय। (मारुबिहाग, श्यामकल्याण, शुद्धसारंग, भूपाल ताडी, पूर्वी, श्री, पूरिया कल्याण, गुर्जरी ताड़ी)
2. भरैव, तोड़ी रागांगों का विशेष अध्ययन तथा इन अंगों के अंतर्गत आने वाले रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई-2

1. राग रागिनी वर्गीकरण तथा मेल राग वर्गीकरण का तुलनात्मक अध्ययन।
2. घराने का अर्थ एवं महत्व, ख्याल गायन के दिल्ली व पटियाला घरानों की जानकारी।

इकाई-3

1. काकु, कुतुप, वृन्द का शास्त्रीय परिचय।
2. ध्रुपद एवं ख्याल की उत्पत्ति और विकास तथा वाद्य संगीत की गतों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

इकाई-4

1. छंद और ताल का संबंध एवं दिये हुए पद्यांश अथवा वाद्यगत बोल रचना को पाठ्यक्रम में से उपयुक्त राग व ताल को चुनकर उसमें निबद्ध करना।
2. ब्रह्म, रूद्र एवं जत ताल का ठेका एवं परिचय।

इकाई-5

1. त्रिताल, एकताल, झपताल को आड, कुआड एवं बिआड की लयकारी में लिखने का अभ्यास।
2. भारतीय संगीत के लिये आवश्यक कंठ संस्कार की विधि तथा उसकी उपयोगिता।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित

M.A./ in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) प्रथम वर्ष— प्रथम सेमेस्टर

वोकल/इंस्ट्रुमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक

Deomstration & viva—1

(प्रायोगिक :-1 प्रदर्शन एवं मौखिक)

समय:- 30 मिनट

पूर्णांक :-70

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति।
2. निम्नलिखित रागों में से किन्हीं छः रागों में विलम्बित ख्याल पाठ्यक्रम के राग/मसीतखानी गत।
3. सभी रागों में छोटा ख्याल/रजाखानी गत का विस्तृत गायकी या तंत्रकारी सहित प्रस्तुततीकरण।
राग :- मारुबिहाग, श्यामकल्याण, शुद्धसारंग, भूपालतोड़ी, श्री, पूर्वी, पूरियाकल्याण, गुर्जरी तोड़ी।
4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार उपज सहित व लयकारियों सहित प्रस्तुत करना।
5. पाठ्यक्रम के रागों में से एक तराना या त्रिवट/चतुरंग का गायकी सहित प्रदर्शन।
6. वाद्य के परीक्षार्थियों हेतु तीनताल से पृथक किन्हीं अन्य दो तालों में रचनाओं का आलाप, तान सहित वादन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित

M.A.in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) प्रथम वर्ष— प्रथम सेमेस्टर

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक

Stage Performance—2

(प्रायोगिक :-2 मंच प्रदर्शन)

समय:- 20 मिनट

पूर्णांक :-70

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग चुनकर विलम्बित एवं मध्य लय की रचना का विस्तृत गायकी/तंत्रकारी सहित प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये गये पांच रागों में से किसी एक राग की गायकी/तंत्रकारी के साथ प्रस्तुति।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से एक ध्रुपद या धमार, तराना का प्रदर्शन। वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये तीनताल के अतिरिक्त किसी रचना अथवा धुन का प्रदर्शन।

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में अंको का विभाजन निम्नानुसार हागे—

खण्ड—अ वस्तुनिष्ठ प्रश्न—प्रत्येक इकाई से दो—दो प्रश्न पूछे जाएंगे।

प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा। कुल 10 प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड—ब लघु उत्तरीय प्रश्न—प्रत्येक इकाई से विकल्प के साथ एक—एक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का होगा।

खण्ड—स दीर्घ उत्तरीय प्रश्न—प्रत्येक इकाई से विकल्प के साथ

एक—एक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा।

***Raja Mansingh Tomar Music & Arts University,
Gwalior (M.P.)***

Master of Art - First Year, Second Semester

***Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)
(Regular)***

2021-22

Paper S. N.	Core/Subject Section-"A"	Subject Code	Mid Term/ Attendance Marking	End Term Marking	Total Marks	Min Passing Marks
1.	Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion)					
2.	1- History & development of Indian Music II- Applied Principles of Music	C1-MMVI-203 C1-MMVI-204	30 30	70 70	100 100	36 36
3.	Technical Terms Core-2 Practical Vocal/Instrumental Technique					
4.	I- Demonstration & Viva II- Stage Performance	C2- MMVI-204 C2- MMVI-205	30 30	70 70	100 100	36 36
	Grand Total		120	280	400	144

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) प्रथम वर्ष— द्वितीय सेमेस्टर

गायन/स्वरवाद्य—प्रथम प्रश्न पत्र)

(संगीत का इतिहास एवं विकास/Histroy & Development of Music)

समय:— 3 घण्टे

पूर्णांक :—70

इकाई—1

1. वैदिक कालीन संगीत, रामायण कालीन संगीत व महाभारत कालीन संगीत का अध्ययन।
2. मौर्य कालीन तथा गुप्त कालीन संगीत का अध्ययन।

इकाई—2

1. संगीत रत्नाकर एवं बृहददेशी ग्रंथों की विषय सामग्री व ग्रंथों का परिचय।
2. भारतीय संगीत की दो धाराओं गांधर्व एवं गान तथा मार्ग एवं देशी का विस्तृत अध्ययन।

इकाई—3

1. मूर्च्छना की परिभाषा व प्रकार। वर्तमान में प्रचलित किसी एक थाट से मूर्च्छना के आधार पर अन्य थाटों की उत्पत्ति।
2. स्वर प्रस्तार, खण्ड मेरु, नष्ट एवं उदिष्ट विधि का अध्ययन।

इकाई—4

1. भारतीय संगीत में वाद्यों के वर्गीकरण के आधार पर तत् व वितत् वाद्यों का स्पष्टीकरण।
2. निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन। अहीर भैरव, देसी, जोग, मधुवंती, पटदीप, देवगिरी बिलावल, यमनी बिलावल, बिलासखानी तोड़ी, नंद, बरौगी भैरव।

इकाई—5

1. स्थाय एवं उनके प्रकार। संगीत में बंदिश का महत्व।
2. उ. जिया माइउद्दीन डागर, राजा नवाब अली, पं. रामचतुर मलिक, उ. बहराम खॉ, पं. भीमसेन जोशी, संत त्यागराज का जीवन परिचय व सांगीतिक योगदान।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉर्मिंग आर्ट) नियमित
M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर
(गायन/स्वरवाद्य-द्वितीय प्रश्न पत्र)
(संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत/ Applied Principles of Indian Music)

समय:- 3 घण्टे

पूर्णांक :-70

इकाई-1

1. पं. भातखण्डे जी द्वारा निर्दिष्ट हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के सर्वसाधारण नियम।
2. निम्नलिखित रागांगों का विशेष अध्ययन। कल्याण व बिलावल इन अंगों के अंतर्गत आने वाले रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

इकाई-2

1. वैदिक कालीन संगीत के सप्तक का विकास तथा संगीतिक स्वरान्तर।
2. स्वर गुणांतर, स्वर संवाद, षड्ज मध्यम व षड्ज पंचम भाव से सप्तक की रचना।
3. शिखर, गजझम्पा तालों का परिचय एवं उनकी लयकारिया।

इकाई-3

1. हारमनी व मैलाडी का तुलनात्मक अध्ययन।
2. दिये गये पद्यांश अथवा वाद्यगत बाले रचना को पाठ्यक्रम के उपयुक्त राग व ताल में चुनकर उसमें निबद्ध करना।

इकाई-4

1. रस की अवधारणा एवं मतांतर तथा स्वर व रस का पारस्परिक संबंध।
2. सौंदर्यशास्त्र -एक विश्लेषण भारतीय एवं पाश्चात्य मतानुसार।
3. संगीत का सौन्दर्य एवं रस से सम्बंध।

इकाई-5

1. रूद्रवीणा, सितार, सुरबहार, सारंगी, शहनाई वाद्यों की उत्पत्ति और विकास।
2. सेनिया घराने के मुख्य कलाकारों का परिचय।
3. संगीत संबंधी निम्नलिखित विषयों पर न्यूनतम 300 शब्दों में निबन्ध।
 1. संगीत और अध्यात्म ।
 2. संगीत एवं भाव ।
 3. संगीत का मनोवैज्ञानिक पक्ष ।
 4. संगीत का अन्य ललित कलाओं से सम्बंध ।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) प्रथम वर्ष- द्वितीय सेमेस्टर

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक

Demonstration & viva- 1

(प्रायोगिक :-1 प्रदर्शन एवं मौखिक)

समय:- 30 मिनट

पूर्णांक :-70

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति
2. निम्नलिखित रागों में से किन्हीं छः रागों में एक बड़ा ख्याल या विलम्बित रचना, एक छोटा ख्याल या मध्य लय की रचना विस्तृत गायकी या तंत्रकारी सहित प्रस्तुत करना। राग : - अहीर भैरव, देसी, जागे, मधुवंती, पटदीप, देवगिरी बिलावल, यमनी बिलावल, बिलासखानी तोड़ी, नंद, बैरागी भैरव।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार, उपज एवं लयकारी सहित प्रस्तुत करना।
4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में एक तराना, त्रिवट या चतुरंग अथवा टप्पा या ठुमरी प्रस्तुत करना। वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये त्रिताल के अतिरिक्त किन्हीं अन्य दो तालों में विस्तृत तंत्रकारी सहित रचना प्रस्तुत करना।
5. अपने वाद्य को मिलाने का अभ्यास एवं राग पहचान।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) प्रथम वर्ष— द्वितीय सेमेस्टर

वोकल/इंस्ट्रुमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक

Stage Performance— 2

(प्रायोगिक :-2 मंच प्रदर्शन)

समय:- 20 मिनट

पूर्णांक :-70

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग चुनकर बड़ा ख्याल या विलम्बित रचना, छोटा ख्याल या द्रुत लय की रचना को विस्तृत गायकी/तंत्रकारी सहित प्रस्तुतिकरण।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित परीक्षक द्वारा दिये गये पांच रागों में से एक राग की प्रस्तुति।
3. पीलू, चारुकेशी, माण्ड रागों में से किसी एक राग में तुमरी, टप्पा, भजन अथवा धुन का प्रदर्शन।

***Raja Mansingh Tomar Music & Arts University,
Gwalior (M.P.)***

Master of Art - Second Year, Third Semester

***Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)
(Regular)***

2021-22

Pape r S. N.	Core/Subject Section-"A"	Subject Code	Mid Term/ Attendance Marking	End Term Marking	Total Marks	Min Passing Marks
1.	Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion)					
2.	1- History & development of Indian Music II- Applied Principles of Music	C1-MMVI-305 C1-MMVI-306	30 30	70 70	100 100	36 36
3.	Technical Terms Core-2 Practical Vocal/Instrumental Technique					
4.	I- Demonstration & Viva II- Stage Performance	C2- MMVI-307 C2- MMVI-308	30 30	70 70	100 100	36 36
	Grand Total		120	280	400	144

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित
M.A.in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) द्वितीय वर्ष- तृतीय सेमेस्टर
(गायन स्वरवाद्य- प्रथम प्रश्न पत्र)
(संगीत का इतिहास एवं विकास/ *Histroy & Development of IndianMusic*)

समय:- 3 घण्टे

पूर्णांक :-70

इकाई-1

1. मुगलकाल एवं उत्तर भारतीय संगीत।
2. स्वतन्त्रता के पूर्व एवं स्वतंत्रता के पश्चात् हिन्दुस्तानी संगीत की स्थिति।

इकाई-2

1. भरत तथा शारंगदेव के शुद्ध एवं विकृत स्वरों का अध्ययन।
2. रामामात्य एवं व्यंकटमखी के ग्रंथों का अध्ययन।

इकाई-3

1. प्रबंध की परिभाषा एवं प्रकार। प्रबंध के धातु एवं अंगों का परिचय।
2. पाठ्यक्रम के रागों में बन्दिश, आलाप, तान लेखन। पाठ्यक्रम के रागों का उनके समपकृतिक तुलनात्मक अध्ययन। (झिंझोटी, चन्द्रकौंस, नट भरव, वसंत मुखारी, गारेख कल्याण, आभोगी कान्हडा, नायकी कान्हडा, मध्यमाद सारंग, सूर मल्हार)

इकाई-4

1. आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वाद्य यंत्रों का संगीत में उपयोग एवं इनसे होने वाले लाभ एवं हानि न्यूनतम 400 शब्दों में विषय पर निबन्ध।
2. दिये गये पद्यांश या वाद्यगत बाले रचना को पाठ्यक्रम के उपयुक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना।

इकाई-5

1. मध्ययुग में भारतीय संगीत पर विदेशी संगीत के प्रभाव का अध्ययन।
2. स्वरमेल कलानिधि, राग तरंगिणी ग्रंथों का परिचय।
3. प्रो. एन. राजम्, उस्ताद अमजद अली खॉं, नारायण राव व्यास, विनायक राव पटवर्धन का जीवन परिचय।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉर्मिंग आर्ट) नियमित
M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) द्वितीय वर्ष— तृतीय सेमेस्टर
(गायन स्वरवाद्य— प्रथम प्रश्न पत्र)
(संगीत का क्रियात्मक सिद्धांत/Histroy & Development of Indian Music)

समय:— 3 घण्टे

पूर्णांक :—70

इकाई—1

1. ध्वनि की उत्पत्ति — तरंग, वेग। सांगीतिक ध्वनि एवं असांगीतिक ध्वनि का विश्लेषणात्मक अध्ययन।
2. मेल राग वर्गीकरण का अध्ययन।

इकाई—2

1. आन्दोलन, कम्पन, डोल, आवृत्ति, अनुनाद, अनुरणन का परिचय।
2. भारतीय संगीत में वृंदगान एवं वृंदवादन।

इकाई—3

1. स्वस्थान नियम एवं आलप्ति के प्रकारों की जानकारी।
2. कर्णनेन्द्रीय की सचित्र जानकारी।

इकाई—4

1. कंठ स्वर संस्थान की सचित्र जानकारी।
2. नाद की संगीत उपयोगिता स्वयंभू स्वर, उपस्वर की विवेचना।

इकाई—5

1. भारतीय शास्त्रीय संगीत के रागों का चिकित्सीय प्रभाव। (संगीत चिकित्सा पद्धति)
2. भारतीय शास्त्रीय संगीत का मनावैज्ञानिक प्रभाव।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) द्वितीय वर्ष- तृतीय सेमेस्टर

Demonstration & Viva-1

(प्रायोगिक :-1 प्रदर्शन एवं मौखिक)

समय:- 30 मिनट

पूर्णांक :-70

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं निम्नलिखित रागों में से 6 रागों में विलम्बित ख्याल/मसीतखानी गत एवं सभी रागों में मध्यलय ख्याल/रजाखानी गत की रचना (विस्तृत गायकी या तंत्रकारी के साथ) झिझोटी चन्द्रकौसं, नट भैरव, वसंत मुखारी, गारेख कल्याण, आभोगी कान्हडा, नायकी कान्हडा, मध्यमाद सारंग, सूर मल्हार
2. उपरोक्त रागों में से एक ध्रुपद एवं एक धमार।
3. लयकारी सहित दो तराने गायकी सहित/वाद्य के विद्यार्थियों के लिये तीनताल के अतिरिक्त अन्य 2 तालों में रचना एवं धुन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) द्वितीय वर्ष— तृतीय सेमेस्टर

वोकल/इंस्ट्रुमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक

Stage Performance— 2

(प्रायोगिक :-2 मंच प्रदर्शन)

समय:- 20 मिनट

पूर्णांक :-70

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग इच्छानुसार चुनकर 20 मिनट में बड़ा ख्याल/मसीतखानी गत का प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये गये पाँच रागों में से किसी एक राग की प्रस्तुति।
3. ठुमरी-दादरा की प्रस्तुति — राग तिलंग, खमाज, काफी। वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये किसी एक धुन का प्रदर्शन।

***Raja Mansingh Tomar Music & Arts University,
Gwalior (M.P.)***

Master of Art - Second Year, Fourth Semester

***Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion)
(Regular)***

2021-22

Paper S. N.	Core/Subject Section-"A"	Subject Code	Mid Term/ Attendance Marking	End Term Marking	Total Marks	Min Passing Marks
1.	Core-1 Hindustani Music Vocal/Instrumental(Non Percussion)					
2.	1- History & development of Indian Music	C1-MMVI-407	30	70	100	36
	II- Applied Principles of Music	C1-MMVI-408	30	70	100	36
3.	Technical Terms					
4.	Core-2 Practical Vocal/Instrumental Technique					
	I- Demonstration & Viva	C2- MMVI-410	30	70	100	36
	II- Stage Performance	C2- MMVI-411	30	70	100	36
	Grand Total		120	280	400	144

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट) नियमित
M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) द्वितीय वर्ष— चतुर्थ सेमेस्टर
(गायन स्वरवाद्य— प्रथम प्रश्न पत्र)
(संगीत का इतिहास एवं विकास/ *Histroy & Development of Indian Music*)

समय:- 3 घण्टे

पूर्णांक :-70

इकाई—1

1. श्रुतियों के विभिन्न माप, प्रमाण श्रुति, उपमहति श्रुति और महति श्रुति का अध्ययन।
2. व्यंकटमखी और अहोबल के शुद्ध एवं विकृत स्वरों का अध्ययन।

इकाई—2

1. ध्रुपद—धमार की उत्पत्ति एवं दरभंगा, डागर, विष्णुपुर ख्याल एवं तुमरी का विकास।
2. ध्रुपद शैली का ख्याल और वादन की शैलियों पर हुए प्रभाव का अध्ययन।

इकाई—3

1. संगीत पारिजात एवं चतुर्दण्ड प्रकाशिका ग्रंथों का परिचय।
2. मार्ग एवं देशी ताल पद्धति का परिचय।

इकाई—4

1. ताल के दस प्राणों का अध्ययन।
2. कर्नाटक संगीत पद्धति के प्रमुख गीत प्रकारों का अध्ययन एवं कर्नाटक और हिन्दूस्तानी संगीत पद्धति के मिलते-जुलते राग, स्वर रूप की दृष्टि से।

इकाई—5

1. अष्टछाप के संत कवियों का सांगीतिक योगदान।
2. सांगीतिक योगदान:- पं. ओंकारनाथ ठाकुर, पं. कुमार गंधर्व, उस्ताद अब्दुलकरीम खॉं, उस्ताद हाफिज अली खॉं।
3. संगीत संबंधी निम्नलिखित विषयों पर न्यूनतम 300 शब्दों में निबन्ध।
 1. संगीत गोष्ठियों व सम्मलेन का आयोजन।
 2. संगीत का सामाजिक पक्ष।
 3. रंगमंच में गीत की भूमिका।
 4. लोकप्रिय संगीत पर विदेशी संगीत का प्रभाव।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉर्मिंग आर्ट) नियमित
M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) द्वितीय वर्ष- चतुर्थ सेमेस्टर
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) थ्योरी कार
गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र
(संगीत का क्रियात्मक सिद्धांत/Histroy & Development of Indian Music)

समय:- 3 घण्टे

पूर्णांक :-70

इकाई-1

1. रागांग वर्गीकरण के अंतर्गत सारंग कान्हडा भैरव एवं मल्हार रागांगों का अध्ययन।
2. पाठ्यक्रम के रागों में बंदिशों की स्वरलिपि, आलाप व तान लिखना तथा पाठ्यक्रम के रागों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई-2

1. थाट राग वर्गीकरण का अध्ययन एवं पाठ्यक्रम रचना के सिद्धांत।
2. गणितानुसार हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के 32 एवं कनार्टक संगीत के 72 मलों की निर्माण विधि। स्वरों की संख्या के आधार पर एक राग से 484 राग बनाने की विधि।

इकाई-3

1. दिये गये पद्यांश या वाद्य गत बाले रचना को पाठ्यक्रम के उपयुक्त राग एवं ताल में निबद्ध करना।
2. शाधे पाविधि का सामान्य अध्ययन, एवं भारतीय संगीत में शाधे की संभावनाएँ।

इकाई-4

- 1- आड, कुआड एवं बिआड की उदाहरण सहित व्याख्या।
- 2- अपने सम समान्तरालीय स्वर सप्तक के गुण एवं दोष।

इकाई-5

1. विश्व संगीत के अंतर्गत तीन देशों- अरब, चीन एवं जापान के संगीत का संक्षिप्त इतिहास।
2. भारतीय शास्त्रीय संगीत का विदेशों में प्रचार प्रसार एवं भारतीय संगीत का वैश्वीकरण।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉर्मिंग आर्ट) नियमित

M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) द्वितीय वर्ष- चतुर्थ सेमेस्टर

वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक

डेमोन्स्ट्रेशन एण्ड वायवा-1

(प्रायोगिक :-1 प्रदर्शन एवं मौखिक)

समय:- 30 मिनट

पूर्णांक :-70

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं निम्नलिखित रागों में से 6 रागों में विलम्बित ख्याल एवं छोटे ख्याल/मसीतखानी गत, रजाखानी गत की प्रस्तुति (विस्तृत गायकी या तंत्रकारी के साथ)। कौंसी कान्हडा, मेघमल्हार, गौड मल्हार, जागेकौसं, मधुकौसं, भटियार, जांगिया, कामेल रिषभ आसावरी।
2. उपरोक्त रागों में से एक ध्रुपद, एक धमार, लयकारी सहित एवं दो तराने गायकी सहित। वाद्य के विद्यार्थियों के लिये तीनताल के अतिरिक्त तीन विभिन्न तालों में रचना या धुन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
M.A. प्रोग्राम (मास्टर ऑफ आर्ट/परफॉर्मिंग आर्ट) नियमित
M.A. in Hindustani Music Vocal/Instrumental (Non Percussion) द्वितीय वर्ष-चतुर्थ सेमेस्टर
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक
स्टेज परफॉरमेंस-2
(प्रायोगिक :-2 मंच प्रदर्शन)

समय:- 20 मिनट

पूर्णांक :-70

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग इच्छानुसार चुनकर 20 मिनट में बड़ा ख्याल, मसीतखानी गत का प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये गये 5 रागों में से किसी एक राग की प्रस्तुति।
3. ठुमरी-दादरा की प्रस्तुति। पहाड़ी, शिवरंजनी, किरवाणी। वाद्य के परीक्षार्थियों के लिये किसी एक धुन का प्रदर्शन।